

बुक्सा टाइगर रज़िर्व

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

पश्चिम बंगाल के [बुक्सा टाइगर रज़िर्व \(Buxa Tiger Reserve- BTR\)](#) में 23 साल के अंतराल के बाद दो सालों में दूसरी बार [बाघ \(Tiger\)](#) की वापसी देखी गई, जिससे एक समृद्ध पारस्थितिकी तंत्र और [बाघों](#) की आबादी में वृद्धि होने की उम्मीद है।

बुक्सा टाइगर रज़िर्व के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

■ परचिय:

- बुक्सा टाइगर रज़िर्व और नेशनल पार्क 760 वर्ग किलोमीटर में फैला है तथा [उत्तरी बंगाल के अलीपुरद्वार ज़िले](#) में स्थित है।
- बुक्सा टाइगर रज़िर्व की उत्तरी सीमा भूटान की अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ लगती है। सचिुला पहाड़ी शृंखला बुक्सा राष्ट्रीय उद्यान के उत्तरी किनारे पर स्थित है तथा पूर्वी सीमा असम राज्य को स्पर्श करती है।
- टाइगर रज़िर्व में बहने वाली मुख्य नदियाँ- संकोश, रैदक, जयंती, चुरनिया, तुरतुरी, फशखवा, दीमा और नोनानी हैं।

■ गलियारा कनेक्टिविटी:

- [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(National Tiger Conservation Authority- NTCA\)](#) के अनुसार, बुक्सा टाइगर रज़िर्व की कॉरडोर कनेक्टिविटी की सीमाएँ [उत्तर में भूटान के जंगलों को](#), [पूर्व में कोचुगाँव के जंगलों](#) और [मानस टाइगर रज़िर्व](#) तथा पश्चिम में [जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान को स्पर्श करती हैं](#)।
 - रज़िर्व की कनेक्टिविटी बंगाल बाघों के प्रवासन तथा आनुवंशिक विविधता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती है।

■ वनस्पतजात:

- इसके प्रमुख वृक्ष प्रजातियों में [साल](#), [चैप](#), [गमर](#), [समिल](#) तथा [चकिरासी](#) शामिल हैं, जो रज़िर्व के विविध एवं जीवंत पारस्थितिकी तंत्र में योगदान देते हैं।

■ प्राणजात:

- इसकी प्राथमिक वन्यजीव प्रजातियों में [एशियाई हाथी](#), [बाघ](#), [गौर \(भारतीय बाइसन\)](#), जंगली सूअर, साम्भर तथा [जंगली कुत्ता \(डोल\)](#) शामिल हैं।
- बुक्सा टाइगर रज़िर्व में [संकटग्रस्त जातियों](#) में तेंदुआ बिल्ली (Leopard cat), बंगाल फ्लोरकिन, रीगल अजगर, चीनी [पैंगोलिन](#), हस्पिडि खरगोश तथा हॉग हरिण शामिल हैं।

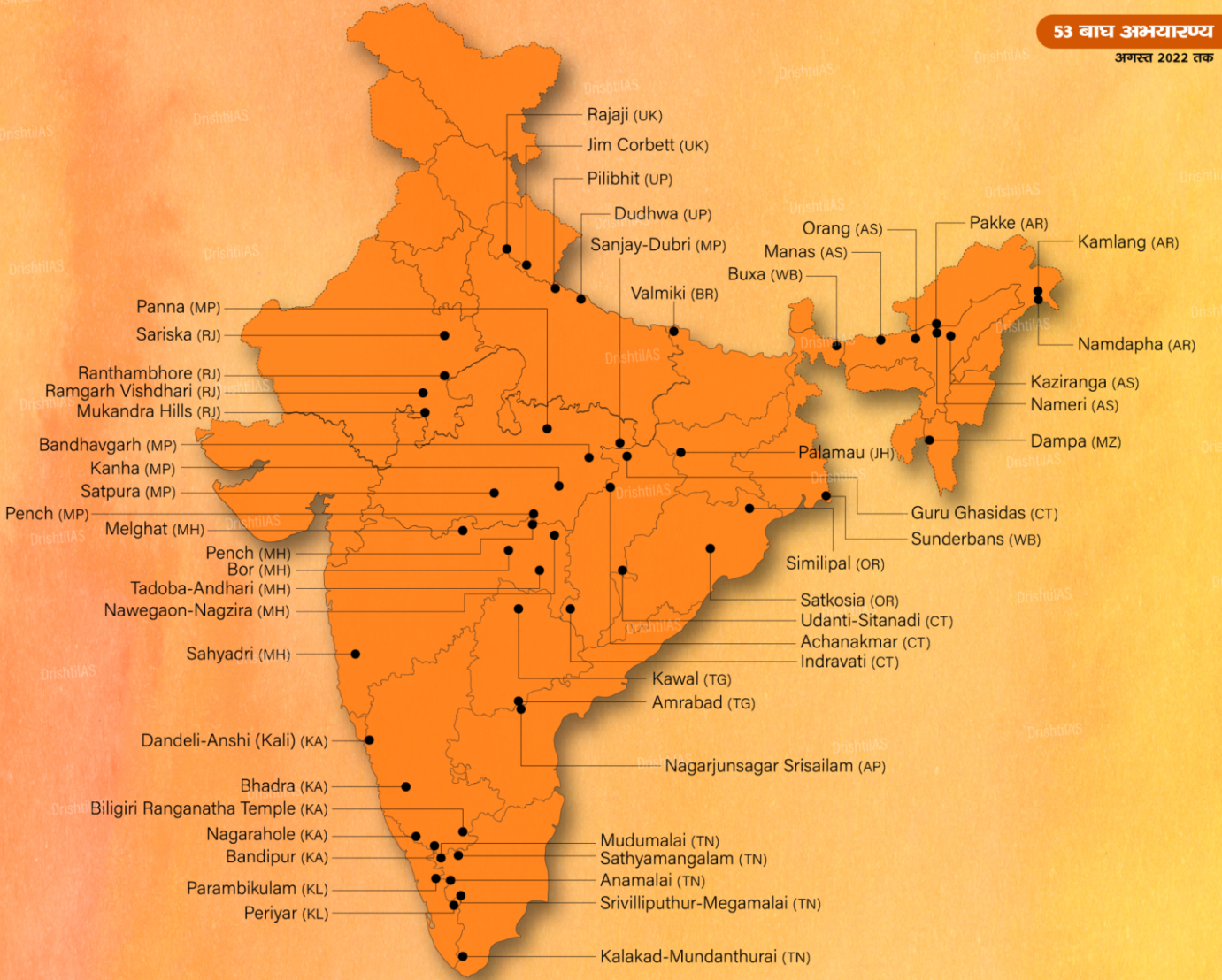
■ संरक्षण पहल:

- [बाघों के शिकार आधार को बढ़ाने](#), उनकी वापसी के लिये अनुकूल परिस्थितियों को बढ़ावा देने एवं सफल संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिये [रज़िर्व में चीतल \(चित्तीदार हरिण\) की संख्या में वृद्धि करना](#)।
- बाघों तथा अन्य वन्यजीवों के लिये एक आदर्श आवास बनाने के लिये [घासस्थल का वसितार](#) करने हेतु सक्रिय उपाय किये गए हैं।
- मानव व वन्यजीवों के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व में सरलता लाने हेतु [मानव हस्तक्षेप कम करने](#), घुसपैठ पर अंकुश लगाने तथा अतिक्रमण को न्यितरति करने के लिये केंद्रित पहल की शुरुआत की गई है।
- [टाइगर ऑगमेंटेशन प्रोजेक्ट](#) वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था, इस सहयोगी परियोजना में राज्य वन विभाग, [भारतीय वन्यजीव संस्थान](#) और NTCA शामिल हैं, जो बाघों की जीवसंख्या की निगरानी तथा इनकी वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

बाघ अभयारण्य

53 बाघ अभयारण्य

अगस्त 2022 तक



तथ्य

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सिफारिश पर राज्य सरकार किसी क्षेत्र को बाघ अभयारण्य/टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
- सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य (कोर क्षेत्र): नागार्जुनसागर श्रीशैलम (आंध्रप्रदेश)
- सबसे छोटा बाघ अभयारण्य: ओरंग (असम)
- सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला अभयारण्य: कॉर्बेट (उत्तराखंड) (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)
- सर्वाधिक बाघ आबादी वाला राज्य: मध्य प्रदेश (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)



//

पश्चिम बंगाल में अन्य संरक्षित क्षेत्र:

- गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- [सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान](#)
- नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान

- [सगिलीला राष्ट्रीय उद्यान](#)
- जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान
- सुंदरबन टाइगर रज़िर्व
- मयूरझरना हाथी रज़िर्व
- पूर्वी डुआर्स हाथी रज़िर्व

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

नमिनलखिति बाघ आरक्षति क्षेत्रों में "क्रांतकि बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र कसिके पास है? (2020)

- (a) कॉर्बेट
- (b) रणथंभौर
- (c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
- (d) सुंदरबन

उत्तर: (c)

- क्रांतकि बाघ आवास (CTH), जसि टाइगर रज़िर्व के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में भी जाना जाता है, की पहचान वैज्ञानिकि साक्ष्य के आधार पर वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 की गई। "ऐसे स्थानों को अनुसूचति जनजातियों अथवा अन्य वनवासियों के अधिकारों से समझौता कयि बना बाघों के संरक्षण के लयि संरक्षति वन क्षेत्रों के रूप में बनाए रखने की आवश्यकता है।"
- CTH को राज्य सरकार द्वारा इस उद्देश्य के लयि गठति वशिषज्ज समति के परामर्श से अधसूचति कयि जाता है।

क्रांतकि बाघ आवास का क्षेत्र:

- जमि कॉर्बेट (उत्तराखंड): 821.99 वर्ग कलिमीटर
- रणथंभौर (राजस्थान): 1113.36 वर्ग कलिमीटर
- सुंदरवन (पश्चमि बंगाल): 1699.62 वर्ग कलिमीटर
- नागार्जुनसागर श्रीसैलम (आंध्र प्रदेश का हसिसा): 2595.72 वर्ग कर्मि.
- अत: **वकिल्प (C) सही उत्तर है।**